



PIONEER

जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा संकट : कृष्णपाल गुर्जर

हवा, पानी और गिरफ्तारी के संरक्षण को जन आनंदोलन बनाना होगा: कुलपति प्रो. एसके तोमर

पाठ्यनियर समाचार सेवा | फरीदाबाद

भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा बायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' प्रारंभ हो गया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय कूर्जा तथा भारी उद्योग मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पर्यावरण गतिविधियों के राष्ट्रीय सहसंयोजक राजेश जैन मुख्य वक्ता तथा वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में लोकप्रिय प्रसिद्ध जल संरक्षणवादी डॉ. राजेन्द्र सिंह विशिष्ट



जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर।

आतिथि रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुरील कुमार तोमर तथा भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंधल ने की। ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चैधरी तथा कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी उपस्थित थे। छह तकनीकी सत्र आयोजित किये जा रहे हैं, जिसमें 20 से ज्यादा विशेषज्ञ वक्ता बायु, जल एवं भूमि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-मंथन करेंगे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आने

लिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत गाँवों के पासे तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों को अमूल्य धरोहर बताते हुए गुर्जर ने कहा कि जल एवं कूर्जा संसाधनों का समुचित उपयोग होना चाहिए, लेकिन यह तभी होगा जब इसके प्रति लोग संवेदनशील बनेंगे। उन्होंने कहा कि आज देशभर में 'मुफ्त' का कार्यक्रम चल गया है।

राकेश जैन ने जलवायु परिवर्तन के लिए पहाड़ों पर पेड़ों की अंधाधुध कटाई तथा निर्माण कार्यों को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि देश में कचरे के ऊंचे पहाड़ बन रहे हैं, जिनसे निकलने वाली विधेली मैसें पर्यावरण को दूषित कर रही है। 'पेड़ लगाओ, पानी बचाओ और पौलोधीन हटाओ' का नारा लगाते हुए उन्होंने कहा कि देश में प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 28 है, जोकि प्रति व्यक्ति 400 होनी चाहिए। सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। सम्मेलन के तकनीकी सत्र को डॉ. राजेन्द्र सिंह ने भी संबोधित किया।



NEWS CLIPPING:24.09.2022

HADOTI ADHIKAR

जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा संकट : गुर्जर

वायु, जल और भूमि पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' का शुभारम्भ



उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर। राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करते हुए केन्द्रीय राज्यमंत्री गुर्जर, कुलपति प्रो. मुशील कुमार तोमर तथा अन्य।

► कहा, देश में चल रहा रहे।
'मुफ्त' का कार्यक्रम पर्यावरण के हित में नहीं

► ज्ञानी अधिकार

फरीदाबाद, 23 सितंबर। भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन द्वारा के संयुक्त उद्घाटन में जे. सी. बोस विज्ञान एवं पौद्धरागिकी विश्विद्यालय, वार्षिक सम्मेलन 'इको-2022' आज शुरू हो रहा। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय कृष्णपाल गुर्जर, वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' आज शुरू हो रहा। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय कृष्णपाल एवं भारी उद्घोष मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, मुख्य अतिथि

जलसत्र अक्षय कृष्ण से पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए लोक प्रयास किये जा रहे हैं। यह पर्यावरण मुद्दों के प्रति उनकी गंभीरता को दर्शाता है। उद्घोषने कहा कि केन्द्र सरकार की अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत गांवों के पुराने गालाओं का

होगा जब इसके प्रति लोग संवेदनशील बनेंगे। उद्घोषने कहा कि आज देशभर में 'मुफ्त' का कार्यक्रम चल गया है। अब जिजली और पानी मुफ्त होगा, तो इसका दुरुपयोग होगा, खपत बढ़ी और संकट बढ़ेगा क्योंकि खपत को पूरा करने के लिए ज्यादा जिजली पैदा करनी होगी और ज्यादा धमंत लोट जाना होगा। ऐसे अनेक कारण हैं, जो पर्यावरण के लिए सही नहीं है। उद्घोषने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सबकी समूहिक जिम्मेदारी है। सरकार नीति बना सकती है और कियान्वयन कर सकती है, लेकिन जब तक लोगों को कर्तव्यजीव नहीं होगा, तब तक मुशार नहीं होगा।

प्राकृतिक संसाधनों को अमूल्य धरोहर बनाते हुए, गुर्जर ने कहा कि जल एवं कृष्ण संसाधनों का समूचित उपयोग होना चाहिए, लेकिन यह तभी संघ की पर्यावरण नियतिविधियों के बनेंगे। उद्घोषने कहा कि आज देशभर में 'मुफ्त' का कार्यक्रम चल गया है। अब जिजली और पानी मुफ्त होगा, तो इसका दुरुपयोग होगा, खपत बढ़ी और संकट बढ़ेगा क्योंकि खपत को पूरा करने के लिए ज्यादा जिजली पैदा करनी होगी और ज्यादा धमंत लोट जाना होगा। ऐसे अनेक कारण हैं, जो पर्यावरण के लिए सही नहीं है। उद्घोषने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सबकी समूहिक जिम्मेदारी है। सरकार नीति बना सकती है और कियान्वयन कर सकती है, लेकिन जब तक लोगों को कर्तव्यजीव नहीं होगा, तब तक मुशार नहीं होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR

(1969-2019)

NEWS CLIPPING:24.09.2022

AAJ SAMAJ

कार्यक्रम

वायु, जल और भूमि पर दो दिवसीय साष्टीय सम्मेलन इको-2022 शुरू

जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा संकट: कृष्णपाल गुर्जर

आज समाज नेटवर्क

परीक्षाकारा। यार लेक प्रश्नालय परीक्षाकार तथा ई-इंशा पार्टीजन ट्रॉफे के मनुक तत्वधारण व जीव जीव विहार एवं प्राणीगती विश्वविद्यालय, वार्षिकों, परीक्षाकार द्वारा वायु, जल और भूमि विषय पर अधिकृत दो दिवसीय साष्टीय सम्मेलन के बाबत आवश्यक हो चुका है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में वैनोप कही तथा जारी उद्घाटन पर्वों मुख्य अंतिम थोँ। इस अवसर पर उद्घाटन सम्मेलन का तो प्रभावरम गोपीनेत्री के राष्ट्रीय सहस्रोतक राजा जीन मुख्य वक्ता राष्ट्र काटमैन और कृष्णपाल के साथ में लेखकीय प्रसिद्ध जल संवर्धनवादी डॉ. रमेश किंवित अंतिम थोँ। सम्मेलन के विषय की प्रासारिकता वा बोलते हुए



स्वातिता का निमोनन करते हुए।

विश्वाल विजेता

कृष्णपाल नवी कृष्णालय दुर्गे ने कहा— पीढ़ियों के लिए बड़े संकट वा कठिन कि जलवायु परिवर्तन आने वाली है। मनुक लट्ठ जानवायु परिवर्तन

प्राप्तवार्षी सम्मेलन (वोर्क-21) में जर लिया है। देश ने 2030 तक अपने 50 प्राप्तवार्षी कार्यों के लिए अपने 2030 तक रखे गए लक्षणों का उल्लेख करते हुए बैन्डीच डॉ. रमेश किंवित विजेता है, जिसके लिए लोक उत्तम विवेत जा रहे हैं। यह पर्यावरण मुख्य के प्रति उनकी गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लेखक सलतन वा अनूत संरेक्षक वोजना के अवलोकन गांधी के पुराने तत्त्वाओं का जीवोंदार किए जा सकते हैं।



NEWS CLIPPING:24.09.2022

JAGAT KRANTI

जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा संकट : कृष्णपाल गुर्जर

■ वायु, जल और भूमि पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन इको-2022 का शुभारंभ

जगत क्रान्ति ■ फरीदाबाद (हि.स.)

भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाईंगमसीए, फरीदाबाद द्वारा वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' शुक्रवार शुभारम्भ हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि रहे।

सम्मेलन के विषय की प्रासंगिकता पर बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़े संकट का कारण है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फैमवर्क सम्मेलन (कॉप-21) में भारत द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर वर्ष 2030 तक रखे गये लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए केन्द्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री ने कहा कि कॉप-21 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2030 तक अपनी विजली क्षमता का 40 प्रतिशत गैर-जीवाशम



ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता जारी ही, जिसे देश ने नवंबर 2021 में ही हासिल कर लिया है। देश ने 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा की जरूरत अक्षय ऊर्जा से पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। यह पर्यावरण मुद्दों के प्रति उनकी गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत गांवों के पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़खल झील की बदहाली और पहाड़ों (अरावली) की खुदाई की जिम्मेदार पुणारी सरकारों की नीतियां रही, लेकिन अब बड़खल झील को फिर से पुनरुद्धार किया जा रहा है।

सरकार नीति बना सकती है और क्रियान्वयन कर सकती है, लेकिन जब तक

लोगों को कर्तव्यबोध नहीं होगा, तब तक सुधार नहीं होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पर्यावरण गतिविधियों के राष्ट्रीय सहसंयोजक राकेश जैन मुख्य वक्ता तथा वाटरमैन ऑफ इंडिया के रूप में लोकप्रिय प्रसिद्ध जल संरक्षणवादी डॉ. राजेन्द्र सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर तथा भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंघल ने की। इस अवसर पर ग्रीन इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौधरी तथा कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्म भी उपस्थित थे। सम्मेलन के दौरान छह तकनीकी सत्र आयोजित किये जा रहे हैं, जिसमें 20 से ज्यादा विशेषज्ञ वक्ता वायु, जल एवं भूमि से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-मंथन करेंगे।



SATYAJAY TIMES

जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा संकट : कृष्णपाल गुर्जर

वायु, जल और भूमि पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन इको-2022 का शुभारम्भ

फरीदाबाद, 23 सितंबर,
सत्यजय टाईंम्स/गोपाल
अरोड़ा।
भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा झीन
झाड़िया फाउंडेशन द्वारा के संयुक्त
तत्वावधान में जे.सी. वोस विज्ञान एवं
प्रैद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाई.एमसी.ए.
फरीदाबाद द्वारा वायु, जल और भूमि
विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय
सम्मेलन इको-2022 आज सुभारम्भ
हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय
ऊर्जा एवं भारी उद्योग मंत्री कृष्णपाल
गुर्जर मुख्य अधिवित हो।

सम्मेलन के विषय की प्रारंभिकता
पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल
गुर्जर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन अने
वाली पीढ़ियों के लिए बड़े संकट का
कारण है। संयुक्त ग्राम जलवायु परिवर्तन
प्रोजेक्ट के सम्मेलन (कोप-21) में भारत
द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर वर्ष
2030 तक रखे गये लक्ष्यों का उल्लेख
करते हुए केंद्रीय ऊर्जा गवर्नर्नरी ने कहा
कि कोप-21 में प्रधानमंत्री ने रेस्ट्रो योद्धा ने



राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करते केंद्रीय गवर्नर्नरी कृष्ण पाल गुर्जर साथ हैं कुलभूति प्रो. सुशील कुमार तोमर तथा अन्य।

छाया: सत्यजय टाईंम्स/पृष्ठा अग्रवाल।

2030 तक अपनी विजली क्षमता का
जा रहे हैं। यह पर्यावरण मुद्रों के प्रति लेकिन अब बढ़ते जील को पिछ से
40 प्रतिशत ऐर-जीवाशम ऊर्जा स्रोतों से
उनकी गंभीरता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा
पुनरुद्धर किया जा रहा है।
प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी,
कि केन्द्र सरकार की अमृत सरोवर
प्राकृतिक संसाधनों को अमूल्य
जिसे देश ने नवंवर 2021 में ही हासिल
योजना के अंतर्भूत गवावों के पुराने तालाबों
कर लिया है। देश ने 2030 तक अपनी
करोड़ संसाधनों का समुचित उपयोग
50 प्रतिशत ऊर्जा की जरूरत अवधि
कहा कि बढ़ते जील की बदहाली होना चाहिए, लेकिन यह तभी होगा जब
ऊर्जा से पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित
और पहाड़ों (असावली) की खुदाई की
इसके प्रति लोग संवेदनशील बर्दें। उन्होंने
कहा है, जिसके लिए दोस प्रयास किये
जिमेदार पुरानी सरकारों की नीतियां रही,
कहा कि आज देशभर में मुक्त का

कार्यक्रम चल रहा है। अगर विजली
और पानी मुक्त होगा, तो उसका दुरुपयोग
होगा, खपत बढ़ोगी और संकट बढ़ेगा।
क्योंकि खपत को पूरा करने के लिए
ज्याद विजली पैदा करनी होगी और
ज्याद थमेल एलट चलाने होंगे। ऐसे
अनेक कारण हैं, जो पर्यावरण के लिए
सही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण
संरक्षण सबकी सामूहिक जिमेदारी है।
सरकार नीति बना सकती है और
क्रियावान कर सकती है, लेकिन जब
तक लोगों को कर्तव्यबोध नहीं होगा, तब
तक मुघ्ल नहीं होगा।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक
संघ की पर्यावरण नाटिवियों के ग्रामीण
सहसंयोजक एकशं जैन मुख्य वक्ता तथा
हवानटमैन आंक झाड़ियाहू के रूप में
लोकविद्य प्रसिद्ध जल संरक्षणवादी द्वा.
गुरु-द्विंशु विशिष्ट अतिथि रहे। सत्र की
अध्यक्षता कुलभूति प्रो. सुशील कुमार
तोमर तथा भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद
के चेयरमैन श्रीकृष्ण सिंहल ने की।



PUNJAB KESARI

वायु, जल और भूमि पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' का शुभारम्भ

फरीदाबाद, 23 सितम्बर (ब्यूरो): भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद तथा ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में जेसी बोस विज्ञान एवं पौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा वायु, जल और भूमि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'इको-2022' आज शुभारम्भ हुआ। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि रहे।

सम्मेलन के विषय की प्रारंभिकता पर बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़े संकट का कारण है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (कॉप-21) में भारत द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर वर्ष 2030 तक रखे गये लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए



केन्द्रीय ऊर्जा राज्यमंत्री ने कहा कि कोप-21 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2030 तक अपनी विजली क्षमता का 40 प्रतिशत गैर-जीवाशम ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी, जिसे देश ने नवंबर 2021 में ही हासिल कर लिया है। देश ने 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा की जरूरत अक्षय ऊर्जा से पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए ठोस प्रयास किये जा रहे हैं।

यह पर्यावरण मुद्दों के प्रति उनकी गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत गांवों के पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़खल झील की बदहाली और पहाड़ों (अरावली) की खुदाई की जिम्मेदार पुरानी सरकारों की नीतियां रही।

लेकिन अब बड़खल झील को फिर से पुनरुद्धार किया जा रहा है।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:24.09.2022

HINDUSTAN

पर्यावरण संरक्षण की जरूरत पर सम्मेलन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में शुक्रवार को भारत सेवा प्रतिष्ठान फरीदाबाद और ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से वायु, जल और भूमि विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन इको-2022 का शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय ऊर्जा व भारी उद्योग मंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि रहे।